THE DEPUTY CHAIRMAN: But this question is, specifically, related to Bhatinda Refinery. So, I disallow your question.

Replacement of equipments at IGI airport

*4. SHRI RAJKUMAR DHOOT: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the imported equipment at Indira Gandhi International Airport for making the runway operational during fog conditions have failed to function during fog in December, 2002 and January, 2003;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) what was the cost of the equipments and whether there is replacement guarantee for these equipments; and

(d) what action is being taken to equip the airport with effective system/equipments for landing in foggy conditions?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI SYED SHAHNAWAZ HUSSAIN): (a) to (d) A Statement in this regard is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) and (b) No, Sir, The Instrument Landing System (ILS) equipment providing Category-IIIA operations during poor visibility for runway 28 at IGI Airport, Delhi has been working satisfactorily during the winters in December, 2002 and Jaunary 2003.

(c) and (d) The total cost of the Category-IIIA ILS alongwith its various components is Rs. 43 crores. Various components of ILS have varying warranty period between one to two years for defective supply/ works. The warranty for all such components is already over. The existing system is quite effective and many airlines have utilized it during fog/poor visibility conditions at IGI Airport, Delhi.

श्री राजकुमार धूत: आदरणीय उपसभापति महोदया, यदि सारा सिस्टम ठीक है तो इतनी उड़ानें क्यों रद्द करनी पड़ीं और मुसाफिरों को कष्ट क्यों झेलना पड़ा? इस सिस्टम में ठीक तरह से सुधार क्यों नहीं किया जा रहा है? क्या सर्दियों में उड़ानों की यही हालत रहेगी? यदि हां, तो अगली सर्दियों में उड़ानों में समय की पाबंदी लाने के लिए क्या प्रबंध किया जाएगा?

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: मैडम, इनका जो प्रश्न है, वह दिल्ली एयरपोर्ट के बारे में है और यहां पर हमने 25 दिसम्बर को आई॰एल॰एस॰ कैटेगरी 3 एक साल पहले लगाया था और उसके बाद जो पॉयलट की ट्रेनिंग होती है, वह ट्रेनिंग पूरी नहीं हुई क्योंकि अभी सारे पॉयलट्स को ट्रेनिंग देने में 6 महीने लगते हैं। उस साल में एक साथ सारे पॉयलट्स को ट्रेनिंग पर नहीं लगाया जा सकता और चूंकि बोइंग और एयर बस हमारे यहां से उड़ते हैं, उसमें इंडियन एयरलाइंस और एयर इंडिया में एयर बस के 8 पायलट्स ट्रेंड हुए हैं, इसके अलावा बोइंग ने जो ट्रेनर यहां भेजना था, पार्लियामेंट पर हुए अटैक के बाद जो सिक्योरिटी मैजर्स लिए गए, उसके बाद उन्होंने वह ट्रेनर यहां नहीं भेजा। कैटैगरी 2 में अभी एयर इंडिया के 21 पॉयलट्स और इंडियन एयरलाइन्स के 148 पॉयलट्स, जैट एयरवेज के 42 पॉयलट्स और सहारा एयरलाइन्स के 3 पॉयलट्स पहले से ट्रेंड हैं लेकिन कैटेगरी 3 में इंडियन एयर लाइन्स के सिर्फ 8 पायलट्स ट्रेन्ड हो चुके हैं और एयर इंडिया के 6 पॉयलट्स ट्रेंड हैं और वे ट्रेनर बन चुके हैं और वे ट्रेनिंग दे रहे हैं। इस प्रक्रिया में एक पॉयलट की ट्रेनिंग में 3 से 6 महीने का समय लगता है इसलिए अभी पूरे पॉयलट्स ट्रेंड नहीं हुए हैं लेकिन यह कहना सही नहीं है कि आई॰एल॰एस॰ कैटेगरी 3 जो दिल्ली में लगा है, वह काम नहीं कर रहा है, वह पूरी तरह से काम कर रहा है।

महोदया, विदेशी एयरलाइन्स की 43 फ्लाइट्स ने यहां लैंड किया है और 11 फ्लाइट्स का यहां से डिपार्चर हुआ है। कई लोगों को यह इंप्रैशन है कि आई॰एल॰एस॰ कैटेगरी 3 लग जाने के बाद जीरो विजिबिलिटी में भी शायद फ्लाइट लैंड कर सकती है, मैं यह कहना चाहता हूं कि इस साल मौसम बहुत खराब रहा है। अगर हम कैटेगरी 1 की बात करें तो 200 फीट की विजिबिलिटी कम से कम होनी चाहिए और रनवे पर कम से कम 800 मीटर की दूरी से पॉयलट को दिखना चाहिए। कैटेगरी 2 में पॉयलट को 350 मीटर सामने दिखना चाहिए और ऊपर से 100 फीट की दूरी से दिखना चाहिए। जहां तक कैटेगरी 3 का सवाल है, यह प्रश्न भी इसी से संबंधित है, उसमें पॉयलट को 200 मीटर सामने दिखना चाहिए और 50 फीट की दूरी तक रनवे दिखना चाहिए।

मैडम, आपको मालूम है कि आजकल ऐसा फॉग हो रहा है कि अगर पति-पत्नी मॉर्निंग वॉक में भी जाते हैं और अगर उनके बीच 10 फीट की दूरी भी हो जाए तो आवाज देकर बुलाना पड़ता है। ऐसे हालत में फ्लाइट कैसे लैंड कर सकती है?

श्री राजकुमार धूत: मैडम, मैं यह जानना चाहूंगा कि जब यह प्रिडिक्शन था कि इस साल मौसम बहुत खराब है तो रीज़नेबल कम्फर्ट देने के लिए पहले से ही एयरपोर्ट पर यात्रियों के लिए सुविधाएं क्यों नहीं उपलब्ध कराई गई? कितने ही यात्रियों को इसके कारण कष्ट भोगना पड़ा, कितने ही फॉरेनर्स को इसके कारण कष्ट हुआ। उड़ानें रद्द करने के कारण गवर्नमेंट को कितना नुकसान हुआ है, मंत्री जी इसकी जानकारी देने की कृपा करें।

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: मैडम, यह सुविधा हमने दी है और इसकी वजह से हमें फ्लाइट्स डाईवर्ट करनी पड़ी। करीब 148 फ्लाइट्स डाईवर्ट हुई हैं और जहां तक नुकसान का सवाल है, मैंने अपने जवाब में विस्तार से बताया है कि इसकी वजह क्या रही है। अब हम अपने पॉयलट्स को ट्रेनिंग देने जा रहे हैं लेकिन यह सही है कि इससे कुछ नुकसान हुआ है और इसके कारण एयर इंडिया को 4.89 करोड़ रुपए ज्यादा खर्च करने पड़े, इंडियन एयरलाइंस को 3.30 करोड़ रुपए ज्यादा खर्च करने पड़े, जैट एयरवेज़ को 14 करोड़ और सहारा एयरलाइन्स को 1.32 क़रोड़ रुपए ज्यादा खर्च करने पड़े। जो फ्लाइट्स डाइवर्ट हुईं, उसके कारण होटल का इंतजाम और दूसरी सुविधाएं यात्रियों को देनी पड़ी इसके कारण ज्यादा खर्च हुआ।

WELCOME TO HELLENIC PARLIAMENTARY DELEGATION FROM GREECE

THE DEPTY CHAIRMAN: Before, I call the other Member to put the question, Hon'ble Members I have an announcement to make. We have with us, seated in the Special Box, His Excellency, Mr. Apostolos Kaklamanis, President of the Hellenic Parliament, currently on a visit to our country as our honoured guest.

On behalf of the Members of the House and on my own behalf, I take pleasure in extending a hearty welcome to our distinguished guest and wish him an enjoyable and fruitful stay in our country. We hope that during his stay here, he would be able to see and learn more about our parliamentary system, our country and our people, and that His visit to this country will further strengthen the friendly bonds that exist between India and Greece. Through Him, we convey our greetings and best wishes to the Parliament and the friendly people of Greece.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS-Contd.

SHRI SURESH KALMADI: Madam, Delhi Airport is one of the unsafe airports anywhere in the world during foggy conditions and during rain. In most airports in the world, you will find, aircraft land in every ten, fifteen or twenty seconds. But here we do not have that sort of load. You got the Category-IIIA Instrument Landing System (ILS). You have been so lethargic that very few Indian Airlines and Air India pilots have been trained. The equipment has been in possession for two years and we have not gone in for crash training programme. This cannot happen anywhere. I want to know how many times, since the installation of this equipment, the Category-IIIA ILS has gone unserviceable. How many times has it not been available to pilots? I would specifically like to ask that. I also want to know whether all the aircraft, which are there in Air India and Indian Airlines, are modified to receive the Category-IIIA Instrument Landing System.

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: मैडम, मैं इस सवाल का जवाब दे चुका हूं कि ट्रेनिंग क्यों नहीं हुई है। शायद सुरेश कलमाडी जी उस वक्त मौजूद थे जब मैंने इसका विस्तार से जवाब दिया था कि जो ट्रेनिंग है उसमें एक साल के अंदर क्यों दिक्कत आई है। हमने एक साल पहले ही इसको लगाया है और ट्रेनिंग दे रहे हैं।

जहां तक अनसेफ के बारे में इन्होंने कहा है। दिल्ली एयरपोर्ट पूरी तरह से सुरक्षित है। सिर्फ फॉग के टाइम के बारे में मैंने बताया है कि दिल्ली में जीरो विजुअलिटी भी रहती है। दुनिया का कोई ऐसा इंस्ट्रूमेंट नहीं जो जीरो विजुअलिटी में लैंड कर सकता है। हम लोग एयरलाइन्स में सफर करते हैं। मैं आईएलएस के बारे में बताना चाहता हूं कि यह जो सिस्टम है, वह पूरी तरह से काम कर रहा है।

जहां तक ट्रेनिंग का सवाल है हमने अपने पायलट्स की ट्रेनिंग के लिए कहा है। जो प्राईवेट एयरलाइन्स है, हमने उनको भी ट्रेनिंग के लिए कहा है।....(**व्यवधान**)....

SHRI SURESH KALMADI: I am asking: How many times has the ILS system been unserviceable? The other question is: Have all the aircraft of Indian Airlines and Air India got matching system in the aircraft in-built to received the ILS? These were my two questions and both were not answered.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Compatibility is necessary between the plane and the ground....(*Interruption*)...

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: मैडम, माननीय सदस्य ने सिर्फ दो क्वेश्चन नहीं पूछे थे, चार-पांच पूछे थे। मैंने दो-तीन का जवाब दे दिया है और एक दो का जवाब दे रहा हूं।

उपसभापति: एक ही प्रश्न कायदे से पूछना चाहिए। ....(**व्यवधान**)....

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: मैडम, वे अपने क्वेश्चन से ही मुड़ रहे हैं। हमारे पास जो इंडियन एयरलाइन्स और एयर इंडिया के प्लेन हैं, वे सब यहां लैंड कर सकते हैं और उस में वे इस सिस्टम का उपयोग कर सकते हैं। सिर्फ एलायंस एयर के जो 737 प्लेन हैं वे इस कैट-3 का उपयोग नहीं कर सकते हैं। वे केवल कैट-2 का उपयोग कर सकते हैं।

SHRI SURESH KALMADI: I am asking as to how many time the instrument was unserviceable. This the most important question. How many times was the installed ILS unserviceable? We have paid the full amount.

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: मैडम, मैंने पहले कहा है कि उसकी ट्रेनिंग की एक प्रक्रिया है। ....(**व्यवधान**)....

श्री सुरेश कलमाडी: जो इक्युपमेंट हैं, वे कितनी बार खराब हुए हैं? ....(**व्यवधान**)....

उपसभापति: वे इस सवाल को जानते हैं।

Plane is not landing properly....(*Interruptions*)....

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: मैडम, मैंने पहले इस सवाल का ....(**व्यवधान**).... मैडम, सुरेश कलमाडी जी स्पोर्ट्स मिनिस्ट्री के जमाने से मेरे पुराने दोस्त हैं।

श्री सुरेश कलमाडी: बाद में बता देना।

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: मैडम, मुझे उम्मीद है कि वे मेरी बात को पूरे ध्यान से सुनेंगे। मैंने कहा कि ये कह रहे हैं कि कब फेल हुआ? कभी फेल हुआ ही नहीं। मैडम, मैं कह रहा हूं कि आई॰एल॰एस॰ सिस्टम ....(**व्यवधान**)....

SHRI SURESH KALMADI: Madam, he has made a commitment in the House that it has never failed.

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: मैं कह रहा हूं.... मैडम, मुझे आपका संरक्षण चाहिए। उनको पूरा जवाब सुनना चाहिए।

उपसभापति: जवाब सुनिए पूरा।

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: यह आई॰एल॰एस॰ सिस्टम जो कैटेगरी 3 यहां लगाया है, वह कभी फेल नहीं हुआ। इस बाहर की जो एयरलाइन्स हैं, 43 एयरलाइन्स ने लैंड किया और 12 एयरलाइन्स ने इस पर टेकऑफ किया। मैंने इस बात का पहले ही बताया है। जहां तक हमारे पायलट्स के ट्रेंड नहीं होने का सवाल है, जब वे ट्रेंड हो जाएंगे तब इस सिस्टम का पूरी तरह उपयोग होगा। मैं आपको आश्वस्त कराता हूं कि इन पायलट्स को जल्दी से जल्दी हम ट्रेनिंग दिलाएंगे। ....(**व्यवधान**)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Soz, I will call you. I have got your name. I will proceed according to the names available with me.

श्री सतीश प्रधान: मैडम, बहुत-बहुत धन्यवाद, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा, आपने जवाब में बहुत अच्छा खुलासा किया है, मैं आभारी हूं आपका लेकिन यह बात मैं अवश्य जानना चाहूंगा कि जो आपके पास पायलट्स की संख्या है, इंडियन एयरलाइन्स, एयर इंडिया या जो प्राइवेट एयरलाइन्स हैं, सबके पास और जितने पायलट्स उसमें आई॰एल॰एस॰ सिस्टम को यूज़ करने में एक्सपर्ट हो गए, जैसा आपने बताया कि प्रशिक्षण भी ले लिया उन्होंने, उनकी संख्या, तो इन दोनों की संख्या को ध्यान में रखते हुए दो साल में कम पायलट ट्रेंड हो पाए, तो हमारे सभी पायलट्स को ट्रेंड होने में कितना समय लगेगा और कितने समय तक हमें रुकना पड़ेगा?

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: मैडम, इन्होंने बहुत अच्छा प्रश्न पूछा है। मैंने पहले कहा कि दिल्ली में ही कैटेगरी-3 ए की जरूरत है। देश के कई एयरपोर्ट्स पर आई॰एल॰एस॰ सिस्टम हमने लगाया हुआ है। उसकी ट्रेनिंग हमने सब पायलट्स को दी हुई है। अभी देश में 39 एयरपोर्ट ऐसे हैं जहां आई॰एल॰एस॰ सिस्टम हमने लगाया हुआ है जिसके सारे पायलट्स पूरी तरह ट्रेंड हैं और उसके अंदर अभी सात ऐसे एयरपोर्ट हैं जिन पर आई॰एल॰एस॰ सिस्टम हम लगाने जा रहे हैं जिसमें दीमापुर, लीलाबारी, सिलचर, मदुरई, वाईज़ैग, पोर्ट ब्लेयर, भावनगर... ऐसे 9 एयरपोर्ट हैं। इसके अलावा जो कलकत्ता एयरपोर्ट है, उसमें कैटेगरी-1 लगा हुआ है। उसको अपग्रेड करके अभी वहां काम शुरू हुआ है और कैटेगरी-2 लगा रहे हैं। जहां तक दिल्ली का सवाल है, इस सवाल का मैडम मैं तीन-चार बार एक ही जवाब रिपीट कर चुका हूं।

श्री सतीश प्रधान: मंत्री जी, मैं यह जानना चाहता था कि हमारे पास पायलट्स की जो कुल संख्या है, उस संख्या को एक तरफ रखें और हमने अभी तक दो साल मे जितने पायलट्स को ट्रेंड किया, उस संख्या को ध्यान में रखे तो दो साल में हम जितने पायलट्स प्रशिक्षित कर सके हैं, तो सभी पायलट्स को ट्रेनिंग देने में कितना समय लगेगा? साथ ही हमारे पास जो अफसर लोग हैं, जो कंट्रोल रूम में बैठते हैं, सब कंट्रोल करते हैं मार्गदर्शन करते हैं सिस्टम के बारे में उनकी ट्रेनिंग कब होगी?

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is a mathematical question.

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन: मैडम यह सारी ट्रेनिंग हमारी सरकार के जमाने में ही हो रही है, पहले आपने कराई नहीं। अगर कराई होती तो हमें दिक्कत ही नहीं होती, कराई हुई ट्रेनिंग हमें मिल जाती। मैडम इन्होंने जो सवाल पूछा है, वह सही है कि कितना टाइम इनको ट्रेनिंग देने मे लगेगा? आई.एल.एस. कैटेगरी-2 का उपयोग तो ज्यादातर देश के एयरपोर्ट्स पर होता है। उसके लिए तो सारे पायलट करीब-करीब ट्रेंड हैं। जहां तक कैटेगरी-3 का सवाल है, जैसा मैंने बताया, उसमें मैथेमेटिकल दिक्कत नहीं आई है। उसमें दिक्कत यह आई है कि जो ट्रेनर अमेरिका से आने थे, जो बोइंग और एयर बस, दो ही कंपनियां हैं जो ट्रेनर भेजती है। क्योंकि बोइंग कंपनी ने ट्रेनर नहीं भेजे थे और उससे ट्रेनर जब आने वाला है तो उन सबको हम ट्रेनिंग के लिए नहीं भेजने वाले हैं। आपने लोग यहां ट्रेंड करके फिर वे ट्रेनर बन जाएंगे, फिर और लोगों को वे ट्रेनिंग देंगे। एक पायलट की ट्रेनिंग में तीन से छः महीने लगते हैं। जब वे ट्रेनर आएंगे तो उनको हम तीन से छः महीने में ज्यादा से ज्यादा पायलटों को ट्रेनिंग दिलवा सकेंगे।

PROF. SAIF-UD-DIN SOZ: Madam, we are facing a very difficult situation at the Srinagar Airport, I had made a Special Mention regarding this problem during the last Session. The point is that we have the most modern equipment available at the Srinagar Airport and Army and Air Force planes were landing there. But for 15 days continuously, the civil aviation planes could not land either at Jammu or at Srinagar, with the result that the passengers were put to great difficulty, particularly because the roads are not good. Therefore, I have raised the question whether the Civil Aviation Minister will get in touch with the Defence Minister, because the civil aviation planes will not interfere with the system of Air Force. There can be different timings. Those equipments are lying idle. The civil aviation pilots want to land. So, my question to the hon. Minister is whether his Ministry will be looking into the problem from this point of view that the equipment is available and fog cannot disrupt it; but the equipment is not being allowed to be used by the Civil Aviation Ministry.

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन: मैडम, श्रीनगर एयरपोर्ट एयर फोर्स से ऑपरेट होता है और हमारा सिविल ऐनक्लेव है। देश के करीब सात एयरपोर्ट ऐसे हैं जहां डिफेंस का ईक्विपमेंट आई.एल.एस. लगाना है। जहां तक श्रीनगर का सवाल है, हम डिफेंस मिनिस्ट्री को इसके बारे में लिखेंगे और हमने बातचीत भी की है। करीब तीन एयरपोर्ट ऐसे हैं जो डिफेंस के हैं जिसमें एयरपोर्ट अथॉरिटी अपनी तरफ से आई.एल.एस. लगा रहा है। श्रीनगर काफी इंपार्टेंट है। हमने बहुत सारा काम श्रीनगर एयरपोर्ट पर किया है। आई.एल.एस. के बारे में भी हम जल्द से जल्द उस पर विचार करेंगे।